Estd. Year 1987

चबूतरा

2024-2025

राजकीय महाविद्यालय

महम (रोहतक)

Ph. 01257-233011 E-mail : gcmeham@gmail.com Website : www. gcmeham.ac.in

All Teaching Staff

EDITORIAL BOARD

NON TEACHING STAFF

Message from the Principal

It is with immense pride and gratitude that I write this message for this year's college magazine. A college magazine serves as a vibrant tapestry, weaving together the diverse stories, achievements, and aspirations that have defined our academic year. As you turn these pages, you will witness the culmination of our students' hard work, creativity, and commitment. This past year has been a period of remarkable growth. Our students and faculty have excelled not only in academics but also in co-curricular activities, earning accolades in fields ranging from sports and arts to research and community service. These achievements are a testament to the dedication of our entire college community.

At Chabutra, we believe that true education extends beyond the classroom. Our mission is to nurture a generation of well-rounded, emotionally intelligent, and socially conscious individuals. We strive to provide a holistic learning environment that encourages curiosity, critical thinking, and a lifelong love of learning. The contributions within this magazine—from creative writing and photography to articles on emerging technologies—are a testament to this ethos.

I want to extend my heartfelt congratulations to the editorial board for their tireless efforts in bringing this magazine to life. Their meticulous work has provided an invaluable platform for our students to express their ideas and showcase their talents. I also wish to thank the faculty members for their unwavering guidance and mentorship, and our supportive staff and management for creating a nurturing environment for all.

To our students, I encourage you to continue embracing new challenges and stepping out of your comfort zones. The world of the future is dynamic, and your skills and aptitudes will be your greatest assets. Carry the values you have learned here with you as you make your mark on the world, becoming the future leaders and innovators of our society. I hope you enjoy this wonderful publication.

With warm regards

Dr. Satyavart Solanki

HES-I

Principal

NCC

GOVERNMENT COLLEGE MEHAM
NATIONAL CADET CORPS

NATIONAL CADET CORPS

TO CULTIVATE A SPIRIT OF INTELLECTUAL CREATIVITY
TO NURTURE A POSITIVE ATTITUDE AMONG THE VARIOUS
STAKEHOLDERS OF THE INSTITUTION.
TO DEVELOP THE INSTITUTION INTO AN ACADEMIC CENTER
CATERING TO DIVERSE SOCIO-CULTURAL GROUPS,
ESPECIALLY THE MARGINALIZED SECTIONS.
ACADEMIC GROWTH OF STUDENTS.
CONSCIOUSNESS AND SOCIAL COMMITMENT
AND FURTHER TO BREAK ALL THE STEREOTYPES
AMONG STUDENTS PHYSICALLY, EMOTIONALLY
AND PSYCHOLOGICALLY, THROUGH VARIOUS
CURRICULAR AND EXTRACURRICULAR ACTIVITIES.

TRAINING ON PANDEMIC SITUATION ...WAR DRILL

International Women Day

BLOOD DONATION CAMP

SAINIK SCHOOL
REWARI

25-03-2025 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम विजेता बनी मनीषा व मुस्कान

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में हिंदी विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के महत्त्व से परिचित करवाना था। प्रतियोगिता के प्रति उत्साह दिखाते हुए लगभग 15 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका ज्योति शर्मा अर्थशास्त्र प्राध्यापक तथा अनिल कुमार भूगोल प्राध्यापक ने निभाई। प्रतियोगिता हिंदी विभाग के प्राध्यापक सविता व दिनेश कुमार की देखरेख में करवाई गई। प्राचार्य रोहित कुमार ने विजेता प्रतिभागियों को संबोधित कर भविष्य में भी उत्साह के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में स्नातक तृतीय वर्ष की मनीषा व मुस्कान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

MOST T
Dr. K
WE..
ALM
HUMAN
RELA
Wi
पुल पार, वि

एचआईवी एड्स से बचाव का दिया संदेश

महम | रेड रिबन क्लब ने राजकीय महाविद्यालय में एचआईवी एड्स जागरूकता को लेकर कई गतिविधियां हुईं। इनमें पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1097 की जानकारी, ज्योति शर्मा का विस्तार व्याख्यान और टीच एड्स के माध्यम से फिल्म स्क्रीनिंग मुख्य रही। प्राचार्य रोहित कुमार ने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में फुलकंवर, डॉ. शिल्पी और प्रियंका शामिल रहीं। सभी गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। बीकॉम द्वितीय वर्ष से तनीषा प्रथम, बीकॉम तृतीय वर्ष से पूजा द्वितीय और बीकॉम द्वितीय वर्ष अनु तृतीय रहीं। इस दौरान डॉ. दीपक कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. प्रियंका वर्मा और डॉ. सुखबीर मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को एचआईवी एड्स रोकथाम की दी जानकारी

महम| राजकीय महाविद्यालय में एचआईवी एड्स जागरूकता पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. शिल्पी,प्राचार्य रोहित कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. शिल्पी ने एचआईवी एड्स की रोकथाम, भ्रांतियों और टोल फ्री नंबर 1097 के बारे में जानकारी दी, जिससे लोग 24/7 अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं। उन्होंने संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव न करने और उन्हें सामाजिक व भावनात्मक समर्थन देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम की आयोजक रेड रिबन क्लब की संयोजिका रितु, डॉ. दीपक कुमार, फुल कवंर, डॉ. सुमेर सिंह, प्रियंका, सुदेश,सुखबीर ने विचार रखे।

36वां खेल महोत्सव में वंशिका को बेस्ट एथलीट घोषित किया

महम| राजकीय महाविद्यालय में 36वां खेल महोत्सव मनाया गया। इसमें वंशिका को बेस्ट एथलीट घोषित किया। बृजेश कुमार द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि अर्जुन अवॉर्डी दीपक हुड्डा रहे। पूर्व प्राचार्य आरसी पूनिया ने भी खेल और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य रोहित कुमार ने शिक्षा और खेल के संतुलन पर जोर दिया। अध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित किया।

स्वर माधुरी उत्सव: प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित कि

महम| राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव स्वर माधुरी का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य रोहित कुमार ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व के बारे में बताया। विभाग प्रभारी ज्योति शर्मा ने कहा कि ये गतिविधियां युवाओं को तनावमुक्त और कुरीतियों से दूर रखती हैं। पहले दिन साहित्यिक श्रेणी में कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. सरिता,मनीषा हुड्डा,डॉ. वर्षा रानी, रितु, सुरेश कुमार अंकित कुमार, डॉ. शिल्पी मौजूद रहे।

नृत्य में रिया,मोनी प्रथम, अन्नू द्वितीय

महम| राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वर माधुरी का बुधवार को समापन हो गया। इस दौरान नृत्य और गायन प्रतियोगिताएं हुईं। प्राचार्य रोहित कुमार ने बताया कि नृत्य प्रतियोगिता में रिया और मोनी प्रथम, अन्नू द्वितीय और रितु और मोनिशा तृतीय रहीं। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। डॉ. दीपक, डॉ. प्रियंका,डॉ. शिल्पी आदि मौजूद रहे।

बुधवार WEDNESDAY 17 सितम्बर 2025

संक्षिप्त समाचार

सामाजिक गतिविधियों में न्याय पूर्वक ढंग से अपनी भागीदारी निभाएं : डा.सुखवीर

महम कालेज में संगोष्ठी में मौजूद मुख्य वक्ता एवं विद्यार्थी।

महम, 16 सितंबर (प्रीत): युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय निर्देशानुसार महम खंड में माय भारत (एन.वाइ.के.) के तत्वाधान में भूतपूर्व छात्र संघ कालेज महम के जिला मुख्य सचिव पवन राठी और सहायक प्रो. डा. सुखबीर के नेतृत्व में राजकीय कालेज, महम में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक पवन राठी ने बताया कि कार्यक्रम में राजकीय कालेज, महम के डा. सुखबीर मुख्य अतिथि रहे। [illegible] ने माई भारत पर युवाओं के रजिस्ट्रेशन किया।

इसके अलावा अभिषेक फरमाणा ने प्रधानमंत्री के भारत मंडपम में अपने अनुभव बताए। डा. सुखबीर ने बच्चों को समाज में हो रही गतिविधियों में न्यायपूर्वक ढंग से अपनी भागीदारी निभाने के लिए जागरूक किया।

पवन राठी ने बच्चों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि आज आप विद्यार्थी कर्तव्य को पूरा करके आने वाले समय में आप सभी देश का भविष्य है और अपने देश को विश्वगुरु और विकसित देश बनाने में ईमानदारी से भाग लें। हमेशा दूसरे के हित करने की सोच रखें। कार्यक्रम में अनुप भाली समेत सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद रहे।

सी.बी.एस.ई. रोप स्किपिंग नैशनल में एस.डी. पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

विद्यार्थियों को विधानसभा चुनाव में वोट डालने का आग्रह किया। इस दौरा[n] विभाग के प्राध्यापक डॉ. कृष्णा देवी और डॉ. अनिल कुमार मौजूद रहे।

पोस्टर मेकिंग में कोमल प्रथम और मुस्कान द्वितीय रहीं

महम | राजकीय महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने सुसाइड प्रिवेंशन डे पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई। इसमें 15 छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पोस्टर की सहायता से सुसाइड प्रिवेंशन के बारे में जागरूकता फैलाई। संचालन मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. वर्षा रानी ने किया। प्रतियोगिता में कोमल प्रथम, मुस्कान द्वितीय और भारती तृतीय रहीं। प्राचार्य रोहित कुमार ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक में डॉ. शिल्पी, डॉ. प्रियंका ज्योति शर्मा रहीं।

NAME CHANGE
I, Lal Singh S/o Bha
Singh R/o H.No. 331
Gali No.1 Behind Ravi
Mandir, Arya Nag
Rohtak declare that I w
to change my minor
name from ISAR SI
to UDAY SINGH. My
DOB 25.10.2010

INAUGURATION
OF
WATER PLANT

POSTER MAKING COMPETITION ON SUICIDE PREVENTION SESSION 2024-25

VISIT OF
HARYANA
ASSEMBLY

NSS VOLUNTEERS
MISSION
VISION

राजकीय महाविद्यालय महम
OUR MOTTO : BE THE DOER ALWAYS VICTORIOUS

गीता जयंती महोत्सव (कुरुक्षेत्र)

From Editor Desk

A college magazine is a mirror of the college life. It reflects the literary, educational and sports activities going on in the college. It projects the important events celebrated in the college during a certain month or year. So here you have "**CHABUTRA**", the long awaited magazine of **Govt. College, Meham** for the year **2024-2025.**

The young writers and poets get an excellent opportunity for displaying their talent. Essay's, short stories, poems, informative articles are written by students and are published in the magazine. This cultivates a find literary taste among the students. In this way the college magazine helps boost new talent. The young budding authors and poets are encouraged a lot when their works are published in the magazine. Obviously, it is a rare pleasure to see one's work in print in the college magazine.

"**CHABUTRA**" presents the hard work and dedication of students and contributions of teachers. I would like to thank all my editorial team members for helping me pull this through. I express my considerable appreciation to all the authors of the articles in this magazine. These contributions have required a generous amount of time and effort. It is this willingness to share knowledge, concerns and special insights with fellow beings that has made this magazine possible.

It's your dedication "Mrs. Jyoti Sharma" that contributed to our success. Thank you for inspiring us!

Smt. Pinki Rani

Chief Editor

सम्पादक मण्डल

संरक्षक

डॉ० सत्यव्रत सोलंकी

प्राचार्य

मुख्य सम्पादिका

श्रीमती पिंकी रानी

सहायक प्राध्यापिका

हिन्दी विभाग

प्राध्यापक सम्पादिका
श्रीमती पिंकी रानी

छात्र सम्पादक
वंशिका B.A. I
Roll No. 1250178136

अंग्रेजी विभाग

प्राध्यापक सम्पादिका
डॉ० सरिता

छात्र सम्पादक
समिक्षा B.A. I
Roll No. 1250178089

वाणिज्य विभाग

प्राध्यापक सम्पादिका
श्रीमती रितु सोलंकी

छात्र सम्पादक
तन्नु B.Com. III
Roll No. 1230008020

सांईस विभाग

प्राध्यापक सम्पादिका
डॉ० शिल्पी

छात्र सम्पादक
आरती शर्मा B.Sc. III

सम्पादकीय.......

पिंकी रानी
संपादिका, हिन्दी विभागाध्यक्ष
राजकीय महाविद्यालय, महम

'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते,' अर्थात् ज्ञान के समान पवित्र करने वाला निःसन्देह दूसरा कोई साधन नहीं है।

यहाँ यह विचारणीय है कि पवित्रता किस सन्दर्भ में? ज्ञान से प्राप्त होने वाली पवित्रता क्या है? तो निश्चयतः इसका उत्तर होगा अज्ञान से मुक्ति और ज्ञान की प्राप्ति ही पवित्रता है। ज्ञान ही वह माध्यम है, जो हमारे चारों तरफ व्याप्त 'भय और भ्रम' के गहन अन्धकार को चीरकर प्रकाश का संचरण करता है।

आज के भौतिक युग में मानव सभ्यता विकास के बेलगाम घोड़े पर सरपट दौड़ते हुआ आगे बढ़ती चली जा रही है, लेकिन इसके बाद भी वह मानव सभ्यता के लिये अनिवार्य स्वस्थ, सुन्दर एवं नैतिकता पर आधारित समाज की स्थापना करने में स्वयं को असमर्थ पा रहा है। किन्तु ऐसा भी नही है कि मूलतः एवं स्वाभाविक रूप से निर्दोष मानव समाज द्वारा इस संदर्भ में कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। यह प्रयास किया जा रहा है 'उच्च शिक्षा' द्वारा। इसके माध्यम से देश की तरूणाई में नवसृजन के संस्कार आरोपित किये जाते हैं। युवाओं में ऊर्जा का असीम भण्डार अन्तर्निहित रहता है और यदि उनकी ऊर्जा एवं क्षमता को सही दिशा प्रदान की जाय तो वे निश्चित रूप से समूची दुनियाँ को बदल सकते हैं। इस संदर्भ में स्वामी विवेकानन्द का यह कथन प्रासंगिक है जिसमें उन्होंने कहा था कि ''हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जिसका अनुसरण करने से व्यक्ति अपने परिवार, समाज और देश का गौरव बढ़ा सके।'' एक अन्य स्थान पर स्वामी जी ने कहा है कि ''हमें ऐसी शिक्षा की जरूरत है जिससे चरित्र निर्माण हो, मानसिक शक्ति बढ़े, बुद्धि विकसित हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा होना सीखे।''

उच्च शिक्षा के केन्द्रों में युवा विद्यार्थियों को एक तरफ जहाँ बहु विषयक सैद्धान्तिक शिक्षा प्रदान की जाती है वहीं दूसरी तरफ अनेक अन्य गतिविधियों के द्वारा उनकी क्षमताओं और व्यक्तित्व को निखरने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस क्रम में खेल प्रतियोगिताओं,

सांस्कृतिक आयोजनों एवं साहित्यिक सृजनशीलता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि हमारे महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित की जा रही पत्रिका 'चबूतरा गौरव' यहाँ अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की बौद्धिक एवं वैचारिक क्षमता को तथा उनकी सर्जनात्मक गुणों को उद्घाटित एवं विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। इससे वे न केवल प्रेरित होंगे अपितु उनकी अभिव्यक्ति को एक अवसर भी प्राप्त होगा। इस आधार पर मेरा यह मानना है कि महाविद्यालय की यह पत्रिका युवा छात्र/छात्राओं की कल्पनाओं को एक नव क्षितिज प्रदान करेगी तथा क्षमताओं को मजबूत आधार भी प्रदान करेगी। इसी आशा, विश्वास एवं मंगलकामना के साथ..... ।

विषय : शिक्षा का महत्व

पिंकी रानी

सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग

राजकीय महाविद्यालय, महम

शिक्षा एक ऐसा साधन है जो मानव को प्राणी जगत के अन्य जीवों से पृथक करती है। शिक्षा का मानव जीवन में काफी महत्व है। एक सामान्य जीवन यापन करने के लिए मनुष्य को रोटी, कपड़ा, मकान के अलावा अगर किसी चीज की जरुरत है तो वह है शिक्षा धन, सौन्दर्य, सोना आदि मूल्यवान वस्तुओं का महत्व कम हो सकता है लेकिन शिक्षा का महत्व कभी कम नहीं हो सकता है। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में मदद करती है। समाज में शिक्षित व्यक्तियों के होने से हमें समाज में कई नये बदलाव देख सकते हैं। समाज में शिक्षा के होने से लोगों को सोचने समझने और उचित व्यवहार करने में मदद मिलती है। वर्तमान समय में शिक्षा का फैलाव पहले से अधिक होने के कारण समाज में रुढ़िवादी धारणाओं का अन्त देखा जा सकता है। शिक्षा को हम एक साधन भी कह सकते हैं जो कि हर समस्या का निवारण कर सकता है। शिक्षा मनुष्य को उसके समाज के साथ अनुकूलन करने की क्षमता प्रदान करती है तथा साथ ही वातावरण में अपनी सुविधानुसार परिवर्तन करने की शक्ति और ज्ञान प्रदान करती है। शिक्षा से मानव का सर्वागीण विकास होता है। शिक्षित व्यक्ति सामाजिक जीवन में अपने कर्तव्य का पालन करते हुए राष्ट्र के विकास में योगदान देता है। शिक्षा एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करती है। मनुष्य अपने जन्म से मृत्यु पर्यन्त शिक्षा प्राप्त करता रहता है।

मानव संसाधनों के निमार्ण में शिक्षा की भूमिका

श्रीमती सविता
सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग
राजकीय महाविद्यालय, महम

शिक्षा की प्रक्रिया के द्वारा छात्र–छात्राओं में नवीन ज्ञान, कला, कौशलों का विकास किया जाता है। महात्मा गाँधी जी के अनुसार 'शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के सर्वांगीण एवं सर्वोत्तम विकास से है।' जे०एस० मैकेन्जी के अनुसार 'शिक्षा जीवनपर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है और जीवन के प्रत्येक अनुभव के द्वारा इसका विकास होता है।' शिक्षा मानव के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए अति महत्वपूर्ण कार्य करती है। तथा यह व्यक्ति के जन्म से प्रारम्भ होकर जीवनपर्यन्त चलती रहती है। देश के आर्थिक विकास में विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों का होना आवश्यक है, जिनसे देश की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादों को तैयार किया जा सकता है। प्रकृति प्रदत्त संसाधनों को उपयोगी बनाने में मानव अपने ज्ञान और कौशलों का उपयोग कर उत्पादों को बनाता है। साथ ही देश की प्रशासनिक और राजनीतिक एंव अन्य क्रियाकलापों को करने के लिए कार्यकुशल नागरिकों की आवश्यकता होती है। अर्थात देश में सभी नागरिक विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों को करके अपनी व समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं, जिनको कि मानवीय संसाधन कहा जाता है।

किसी भी राष्ट्र के विकास में शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अच्छी शिक्षा व्यवस्था योग्य नागरिकों का सृजन करती है। विश्व के विकसित देशों के विकास में वहाँ की शिक्षा व्यवस्था के योगदान को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिसमें कि वे अपने देश की आवश्यकताओं व सामाजिक परिवर्तन के अनुसार शिक्षा की व्यवस्था को बनाने में सफल हुए हैं। परिणामस्वरूप जितने भी आविष्कार हम वर्तमान समय में देखते हैं उनमें इन विकसित देशों का प्रतिशत अधिक मिलेगा। भारत में भी आधुनिक शिक्षा का व्यापक प्रचार–प्रसार हुआ है, जिसके कारण हम विकासशील देशों की श्रेणी तक आने में सफल हुए हैं। स्वतंत्रता के पश्चात विभिन्न शिक्षा आयोग जैसे विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग, माध्यमिक शिक्षा आयोग, कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 आदि ने देश की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का अध्यन कर सुझाव दिये हैं। तत्कालीन सरकारों के द्वारा इनके क्रियान्वयन का प्रयास किया गया।

आधुनिक विकासशील भारत की आर्थिक व सामाजिक संरचना में व्यापक परिवर्तन हुआ है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था में भी व्यापक आवश्यक परिवर्तन की आवश्यकता है। वर्तमान में अधिकतर विद्यालयों की शिक्षा में सैद्धान्तिक ज्ञान व ज्ञान को रटने पर बल दिया जाता है और प्रयोगात्मक ज्ञान की कमी दिखाई देती है। इस प्रकार से हम समाज को शिक्षित तो कर सकते हैं पर नवीन ज्ञान व आविष्कारों को करने योग्य नागरिकों का सृजन नहीं कर सकते हैं न ही कार्यकुशल व्यक्तियों को तैयार कर सकते हैं। देश के महानगरों व शहरों में आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों के बच्चों को तो अच्छी शिक्षा प्राप्त हो जाती है पर ग्रामीण क्षेत्रें में शिक्षा की गुणवत्ता में हमें अनेक कमियाँ दिखाई देती हैं। ऐसी स्थिति में हम अच्छे मानव संसाधनों का विकास करने में सफलता प्राप्त नहीं कर सकते हैं। देश के विकास में सभी नागरिकों का योगदान होता है। चाहे वे देश के किसी भी क्षेत्र विशेष में रहते हों।

वर्तमान समय में ऐसी शिक्षा व्यवस्था को बनाने की आवश्यकता है, जो कि छात्र–छात्राओं को सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान कर सके, जिससे कि वे भावी जीवन में कार्यकुशल बन सकेंगे और प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्तर के आर्थिकी व अन्य क्रियाकलापों में सफलता प्राप्त करेंगे। आधुनिक तकनीकी का प्रयोग वर्तमान समय में व्यापक रूप से किया जा रहा है, जिसमें कि छात्र–छात्राओं की रूचि होती है। कक्षा शिक्षण में तकनीकी ज्ञान के प्रयोग पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक, तार्किक एंव सृजनात्मक चिन्तन का विकास करने की भी अति महत्वपूर्ण आवश्यकता है, जिससे कि उनमें नवीन ज्ञान व आविष्कारों के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होगी। सामाजिक गुणों के विकास के लिए विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक व खेल की क्रियाओं को रूचि के अनुसार करने के अवसर प्राप्त होने चाहिए। शिक्षण प्रशिक्षण में भी विषेश ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षण प्रक्रिया के सैद्धान्तिक व व्यवहारिक ज्ञान के साथ ही समाज व देश पर शिक्षा प्रक्रिया के प्रभाव का अध्ययन की भी आवश्यकता है। वर्तमान समय में भी शिक्षण प्रशिक्षण में व्यापक परिर्वतन किया गया है। वर्तमान में प्रस्तावित शिक्षा नीति 2020 में भी सरकार के द्वारा व्यापक परिवर्तन किया जा रहा है और शिक्षा के द्वारा देश के लिए आवश्यक विभिन्न कौशलों का प्रयोगात्मक व व्यवहारिक ज्ञान छात्र–छात्राओं को प्रदान करने पर बल दिये जाने को कहा गया है।

विषय : मां बेमिसाल होती है।

डॉ. पुष्पा
सहायक प्राध्यापिका, इतिहास विभाग
राजकीय महाविद्यालय, महम

हूँ उदास तो पहचान लेती है
हूँ परेशान तो जान लेती है
चेहरा देख मेरा वो सब भाँप लेती है
जाने कौन सा हुनर है हासिल उसको,
बिना नब्ज देखे हर बीमारी को जान लेती है।
बुरी बलाओं से बचाया, हौंसला हमेशा बढ़ाया,
दुआओं से उसकी, बढ़ता ही हूँ आया,
पाया नहीं अकेला कभी खुद को,
रही संग बनके वो साया।
आशीष में उसकी असर ऐसा,
विपदा में बनके कवच है बचाया,
हर विधा में पारंगत, हर मर्ज की दवा वो निकाल लेती है।
तालीम कर ली हो भले ही कितनी भी हासिल मैंने,
उलझन में तजुर्बे ने उसके ही, हमेशा पार लगाया।
नाम है ही उसके, है करिश्मा ऐसा
गिरने से पहले ही आज भी वो संभाल लेती है
हर सवाल का जवाब होती है
ममता उसकी निस्वार्थ होती है
मां बेमिसाल होती है

Osho Rajneesh : A Spiritual Play Boy

Dr. Sunil Kumari
Assistant Professor
Department of Commerce
Govt. College, Meham

The thinker 'Osho Rajneesh' has been very controversial. His thoughts have always been very different from other spiritual leaders, thinkers and philosophers. He elaborated the religion in a scientific way. He advocates entombing all religions into one which covers all aspects of life that's why he talked on sex too which was opposed by the cult-leaders of the times but despite of it he was only a thinker who was recognized and acknowledged worldwide massively. He is also known as a spiritual playboy because he advocated that "Live the life playfully and don't take it serious".

He said that start the life from scratch because prejudices start to lose the sharpness and beauty of intelligence. He defined the maturity as knowledge means capacity to learn because knowing and learning both are different. Knowledge in a dead thing whereas learning is an alive process, so your receptivity should be open to add value in you. He discarded the ancient thought that heaven and hell both are different places. He said that hell and heaven both are within you just like both hands; if you shift to right hand that door opens and left hand door gets closed itself and viceversa. When you act with full awareness you enter in heaven and if act unconsciously you get into hell. He opposed the institutionalization of religions and said spirituality arises with experience not through the organized set ups. He strongly advocated that meditation is only way to spiritual awakening especially dynamic meditation.

Mrs. Romy
Assistant Professor
Department of English
Govt. College, Meham

Dare to Dream

by Wendy Silva

Close your eyes and let
your imagination fly away.
See a picture of where
you wish to be one day.

Let the colors of your
heart take command
to paint the picture of your
dream and place it in your hand.

Hold on tightly and nurture it,
but allow it room to grow.
When you reach your dream,
open your hand and let it go.

Close your eyes and search for
another, caring for it as before.
Never stop searching, achieving and
letting go, for that's what dreams are for.

Believe in Yourself

Mrs. Ritu Solanki
Assistant Professor
Department of Commerce
Govt. College, Meham

Why is it we don't believe in ourselves?

That as soon as things get tough in our lives we start doubting ourselves We start thinking that we may not make it Stressing, worrying, imagining things that may go wrong in the future

We need to understand, the human mind is the most powerful tool we own, but it can also be the most DESTRUCTIVE And we need to learn how to take control of the direction of our mind and our emotions You mind is going to provide you your greatest challenges in life, because it is so powerful So, if you can conquer your mind, you can pretty much conquer anything else around you, literally.

When writing the story of your life make sure YOU hold the pen Make sure that you are not only holding the pen, but you write the script from your heart. Be brave when writing your script, it's your story and there are NO LIMITS to what you can have, what you can do or what you can be.

How bad do you want it?

You have to prove it to yourself that you want it bad enough, it's got to hurt you not to get it. And that's when you're going to learn to conquer your mind. Your mind will no longer be able to say no, because your inner heart and mind are aligned, and now nothing can stop you!

Teacher Participation in Professional and Personal Development

Dr. Sarita
Assistant Professor
Govt. College, Meham

There must teachers actively engage in learning opportunities to improve their skills, knowledge, and overall well-being—both in their careers and in their personal lives. This can include:

- **Professional Development Activities**

These are activities that improve a teacher's teaching effectiveness, classroom management, and subject knowledge. Examples:

Workshops, seminars, and conferences In-service training or continuing education Collaborative learning (e.g., peer coaching, professional learning communities)Online courses, certifications, or MOOCs Curriculum or teaching material development Educational research involvement

- **Personal Development Activities**

These are focused more on the individual's personal growth, mental health, and life skills. Examples: Mental health and wellness programs Leadership training Time management or stress management workshops Pursuing hobbies or creative interests Language or digital literacy skills (beyond teaching needs)

- **Global Trends and Data (as of recent years):**

Here are some general trends about teacher participation in development: OECD (2021 - TALIS Report):

Over 90% of teachers in OECD countries reported participating in at least one

professional development activity in the previous year. Most common activity: courses and workshops. Barriers: Lack of time, cost, and lack of incentives. Low- and Middle-Income Countries: Participation is often lower due to limited access, funding, or support. However, donor-funded and government initiatives have been promoting structured in-service training. Personal Development: Often informal and not tracked systematically. In many education systems, teacher well-being is increasingly emphasized, especially after the COVID-19 pandemic.

- **Key Factors That Affect Participation**

Factor Positive Impact Negative Impact

Policy & Leadership National mandates for CPD

Lack of support or funding Time & Workload

Dedicated time for PD Overburdened schedules

Access to Resources Online platforms, funding

Rural/remote limitations

School Culture Supportive peers, collaboration Isolation or lack of initiative

✅ **Why It Matters**

Improves student learning outcomes

Boosts teacher motivation and retention

Builds leadership and innovation capacity in schools

Supports mental health and reduces burnout

POWER OF SUBCONSCIOUS MIND

Dr. Varsha Rani
Assistant Professor
Department of Psychology

Our subconscious mind is like a huge memory bank. It permanently stores everything that ever happens to us, and its capacity is virtually unlimited. By the time we reach the age of 21, we've already permanently stored more than one hundred times the contents of the entire Encyclopedia Britannica. Under hypnosis, people can often remember, with perfect clarity, past events that happened many years before. But why don't we actively recall everything our subconscious minds hold? While our unconscious memory is virtually perfect, it is our conscious recall that is suspect. The exciting news is we can use our conscious minds to reprogram our subconscious minds and harness the power of positive thinking to overcome negative thoughts and bad habits to achieve all of our life dreams.

Our subconscious mind is subjective. It does not think or reason independently; it merely obeys the commands it receives from our conscious mind. Just as our conscious mind can be thought of as the gardener planting seeds, our subconscious mind can be thought of as the garden, or fertile soil, in which the seeds germinate and grow. This is why harnessing the power of positive thinking is important to the foundation of our entire thought process. our conscious mind commands and our subconscious mind obeys.

Consciously choose to feed our subconscious with positive, empowering thoughts.

Women of Mathematics

"Without mathematics, there's nothing you can do.
Everything around you is mathematics.
Everything around you is numbers." – Shakuntala Devi

Dr. Shilpi
Assistant Professor
Department of Mathmatics

Mathematics, often called the language of the universe, has developed over centuries through the efforts of brilliant minds. While history has largely highlighted the contributions of men, women mathematicians have also played a significant role, often overcoming social and cultural barriers to pursue their passion for numbers, logic, and discovery. Their contributions have shaped modern mathematics and inspired future generations.

The story begins with Hypatia of Alexandria (c. 370–415 AD), one of the earliest recorded female mathematicians. She was a philosopher, astronomer, and teacher who wrote commentaries on Diophantus's Arithmetica and Apollonius's Conics. Her courage and intellect made her a symbol of knowledge and resilience in a male-dominated society.

Breaking Barriers in the 18th and 19th Centuries, In the modern era, several pioneering women entered the field despite limited educational opportunities. Émilie du Châtelet (1706–1749) translated and explained Newton's Principia Mathematica in French, making his work more accessible in Europe.

Mary Somerville (1780–1872) was known as the "Queen of Nineteenth-Century Science" for her writings on astronomy and mathematics. Sophie Germain (1776–1831), despite being denied formal education, contributed significantly to number theory and elasticity. Her work laid the foundation for Fermat's Last Theorem.

Twentieth Century Achievements

The 20th century witnessed more women gaining recognition:

Emmy Noether (1882–1935), often called the "Mother of Modern Algebra," revolutionized abstract algebra and theoretical physics through Noether's Theorem, which links symmetries to conservation laws. Mary Cartwright (1900–1998) made vital contributions to nonlinear differential equations and chaos theory.

Olga Taussky-Todd (1906–1995) worked on matrix theory and algebra, influencing applied mathematics and computer science.

Women in Contemporary Mathematics

Today, women continue to shine in mathematics at the highest levels:

Ingrid Daubechies pioneered wavelet theory, now used in image compression and signal processing. Maryam Mirzakhani (1977–2017) became the first woman to win the Fields Medal, the highest honor in mathematics, for her groundbreaking work in geometry and dynamical systems.

Legacy and Inspiration

The contributions of women mathematicians prove that brilliance knows no gender. From ancient times to the present, their work has expanded mathematical knowledge and opened doors for countless students and researchers. Despite historical challenges, they have left a legacy of resilience, innovation, and inspiration.

Conclusion :

The journey of women in mathematics is a story of perseverance, passion, and progress. By recognizing and celebrating their contributions, society not only honors their achievements but also encourages young minds, especially girls, to embrace mathematics without fear or limitation. The future of mathematics will continue to be enriched by diverse voices and perspectives, ensuring its growth as a truly universal discipline.

Being 'Woke' in the Real World : Awareness Vs Action

Samiksha Nehra
English Editor Student
B.A. 1st Year
Roll No. 1250178089

Introduction :

"Woke" originally meant being socially aware and conscious of injustice. Now it's overused and often misunderstood. Among college students, social awareness is high. We talk about privilege, gender rights, climate change, caste, capitalism and more. We use the right language follow the right accounts and share trending hashtags. But the question remains :

Are we truly contributing to change, or are we merely curating an image of concern?

Main Points

1. The Evolution of "Woke / From Movement to Meme.

- "Woke" used to mean deeply aware.
- Now it's often mocked or overused - sometimes it's just for show.
- Once powerful, now diluted by online trends and Sarcasm.
- Social media changed activism into appearance based behaviour.

2. Awareness isn't Enough/Knowing isn't doing.

- Knowing about issues # solving Them Being informed ‡ taking action.
- Common Contradictions : support causes online but Continue harmful behaviours offline.

Performative Activism on Campus/ are we just performing.

- Performative activism = doing it for image, not impact.
- Pressure to "Look Good" can silence honest expression.
- Students feel pressure to appear "Woke"

4. The Way Forward / What Can we Actually Do?

- Focus on small, consistent real-life actions.
- Think deeply, live consciously, act intentionally.
- You don't have to be perfect or an activist.
- Small real actions matter: reading, speaking up, voting, ethical choices, Live your values.

"Change Doesn't Come from Looking Perfect-It Comes From Showing Up"

"Being 'Woke' Means Staying Awake - Even When It's Hard"

Conclusion

- Change is not about perfection it's about presence and consistency.
- True awareness means acting when no one's watching.
- Being "woke" must go beyond hashtags and image.
- Real change begins with lifestyle, choice, and honest conversations not just trends.
- Awareness without action is just decoration.

You have to Speak..........

Arti Sharma
B.Sc Editor Student
B.Sc (M.H.) Final Year

Don't fear the quiet.
You have a voice.
So use it. Speak up. Raise
Your hands.

Shout your answers. Make
Yourself heard.
Whatever it takes. Find
Your voice.

And when you do. Feel
the damn Silence.
Cause Death is the number
two fear, that people have,
and public speaking is
the first.

But you have to speak up,
even if;
Your heart is racing,
Your voice is shaking
Your palms are sweating
Your face is bright red.

मेहनत

Tannu
Editor Student
B.Com. (3rd Year)
Roll No. 1230008020

जो तेरे अंदर के साहस को पहचान लेता है,
कोई है जो तेरे हौंसलों को उड़ान देता है....

छुपा नहीं रह सकता किसी फनकार के अंदर,
हर फन परिश्रमी को मैदान देता है....

सिर्फ वही बदल सकता है सपनों को हकीकत में,
जो शख्स जिंदादिल रहकर अपनी जान देता है....

किस्मत भी कांप उठती है उस की कोशिशों से,
जो शख्स जिंदगी को कर्मो को तूफान देता है....

कहने को तो इंसान है सिर्फ मिट्टी का पुतला,
हीरा है, जो तराशने वाले को शान देता है....

यूं तो कितने इंसान है यहां एक ही नाम के,
अमर है, जो मेहनत से नाम को पहचान देता है...

The Universal Language

Sarika
B.Com (3rd Year)

Mathematics is more than just number and equations; it's the fundamental language of the universe. From the elegant spiral of a galaxy to the intricate patterns on a snowflake math describe the world around us with breathtaking precision.

It's the engine behind technological marvels the compass for scientific discovery and the silence partner in art and music.

A Word of Opportunity :

The demand for mathematical minds is growing exponentially fields like data science artificial intelligence and cryptography are built on mathematical principles a strong grasp of math opens doors to inciting and high impact accident discipline is more relevant than ever

About Teacher

Tamnna
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178033

When God created teacher
He gave us special friend,
To help us understand his world
And truly comprehend
The beauty and the wonder
of everything We see
And become a better person
with each discovery.

When God created teachers
He gave us special guides,
To show us way in which to grow
So, we can all decide
How to live and how to do
What's right instead of wrong.
To lead us so that we can lead
And learn how to be stronger.

When God created teachers
In his wisdom and his grace
Was to help us learn to make our world
A better wiser place.

SUCCESS

Jagriti
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178337

Success is a concept that holds different meanings for different individuals. For some, it may entail achieving financial prosperity, while for others, it could mean making a positive impact on society or attaining personal fulfillment. Regardless of the definition success is universally pursued and celebrated.

Success can be defined as the realization of one's goals and aspirations. It involves setting objectives, working diligently towards them, and ultimately achieving desired outcomes. Whether in academics, career, relationships or personal development, success is often measured by fulfillment of predetermined objectives and the sense of accomplishment it brings.

Several factors contribute to an individual's success. Hard work, determination, resilience and perseverance. Play pivotal roles in overcoming obstacles and reaching milestones.

In conclusion, success is a multifaceted concept that encompasses various achievements and accomplishments.

While the definition may vary from person, the journey towards success often involves dedication, effort and a clear vision of one's goals.

DHAIRYA

Komal
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178300

Dhairya hai moal mantra
kar lo chahe kitne jatan
rehna hai gar khush sada
apna lo isko tum yahan

Payi hai humne aazadi
ban kar ek fharyaadi
maa kaa rakha tha maan, ram
isko utaara tha jivan mein

uski marzi ke bina
hil nahin sakta patta yahan
phir kyun naa rakhta dhiraj
rahega na tabha jivan neeras.

PERFECTION

Riya
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178019

Whatever we do we want to do it
With perfection However
Perfection often turns out
Our biggest enemy? so...
Don't wait for perfection
Start Now!

Article

Riya
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178079

Be Ambitious with Goals, Not Deadlines
I have always found that if you
want to know how long something
will take ark Someone who has
already done it. Sounds obvious,
but few people do it.

Poem on Education

Ritu Devi
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178135

Education is the key
To unlock your destiny.
It opens up your mind
To the wonders you can find.

Education is the light
That guides you through the night.
It helps you see the truth
And make the best of your youth.

Education is the light
That guides you through the night.
It helps you see the truth
And make the best of your youth.

Education is the power
That makes you grow and flower.
It gives you skill and confidence
And prepares you for excellence.

Education is the gift
That you should never miss
It enriches your life and soul
And helps to reach your goal.

JOY WILL GUIDE YOU.

Anshu
B.A (3rd Year)
Roll No. 1230178071

While you cannot always predict what
the next season will bring. or what
it will look like or feel like -

You can count on this. Things will not
always stay the same. They must evolve.

meaning. Your circumstances are always
going to be changing.

and, if you want to make the most
of each season- if you want to see
each season be fruitful despite the
circumstances. you must allow Joy to
be your compass.

Lack of Unity : Cause of Societal Separation

Anju Nehra
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178050

As the time is passing, we can see that the lack of unity is increasing in our society Which will prove very dangerous in the end. You must have heard the line if the story 'Union Is Strength' that "United we stand dividing we fall". If our society keeps dividing then how long, you think, we can survive here. The main causes of this dis-satisfaction and his jealousy at other's development.

Today's man has forgotten the word co- operation, denying the fact that he is a social creature. He doesn't care for others whatever they live or die. Society is at big level, this lack of unity can be seen in a single family. Even the members of a family don't stand through thick and thin with their kits and kind.

They pretend as if they are happy in their solo life but internally they know how happy they are. Firstly, the passion of living solo life is introduced in cities but today it is blindly followed in the villages also.

In India, everyday their are riots and disturbances in the name of caste, colour and religion that causes facade among the public; result is lack of unity.

The reality is that the entire society is at the edge of ruin but it is out of understanding why the residents are still ignorant.

Take two minutes of your precious time and examine yourself, whether You are also becoming cause of this societal separation or not ?

MOTIVATIONAL LINES

Rakhi
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178102

" Some Times
problems Are
Two Big,

We are Too
Small,

Because We cannot
Not handle Them"

Dear Teacher

Rakhi
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178102

Thank you for continually inspires me to do my best. You help me.

Strive for goals, I found guidance, friendship, discipline and love,

Everything, in one person. And that person is you.

Happy Teacher's Day !

हौसला

वंशिका
छात्र संपादिका हिंदी
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178136

हौसला रख आगे बढ़ने का
मुश्किलों से लड़ने का
यही तो एक तरीका है
ऊंची उड़ान भरने का।
लड़खड़ा भी जाये अगर
कदम तो गम न कर
यही तो वक्त है तेरा कुछ
कर गुजरने का।

भले ही राहों में कुछ मिले पत्थर तो मिलने दें
हिम्मत कर आगे बढ़ तेरे ही पास है हर पल।
बस सब्र रख के देख यही तो वक्त है,
पत्थर के फूल बनने का।
बस एक बार भरोसा कर ले तु खुद पर
मजा तुझे भी आने लगेगा
फिर गिरते–गिरते संभलने का।
मुश्किलों से लड़ने का।

बिन पंखों की चिड़िया मैं

Meena
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178460

बिन पंखों की चिड़िया मैं
हौसले बुलंद है
मेरी खुली आंखों में
सपने अनन्त है।

देख सूरज को मन मेरा बोला
मैं भी जगमगाऊँ जहान में
देखे सारी दुनियाँ मुझे
कि उड़ती फिरू आसमान में।

सच के पथ पर चलकर मैं
इन सपनों की राह बनाऊँ
हर मुश्किल से लड़कर मैं
मन्जिलों को छूती जाऊँ।

मन के डर को मार गिराऊ
ऊँचे पर्वत पार कर जाऊँ
बिन पंखों की चिड़िया
आसमान में उड़ती जाऊँ।

शिक्षा

Aarti
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178461

बहुत जरूरी होती है शिक्षा,
सारे अवगुण धोती है शिक्षा।
चाहे जितना पढ़ लें हम पर,
कभी न पूरी होती शिक्षा,
शिक्षा पाकर ही बनते हैं,
नेता, अफसर, शिक्षक,
वैज्ञानिक, यात्री, व्यापारी
या साधारण रक्षक।

कर्त्तव्यों का बोध कराती,
अधिकारों का ज्ञान,
शिक्षा से ही मिल सकता है
सर्वोपरि सम्मान।
बुद्धिहीन को बुद्धि देती,
अज्ञानी को ज्ञान,
शिक्षा से ही बन सकता है,
भारत देश महान।

देखा है कभी ?

Sanjika
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178283

ऐसा हुए के देखा है कभी ?
हँसते हुए के साथ हँसता तो हर कोई है
पर रोते हुए को हँसा कर देखा है कभी ?
पेड़ काटे तो हर किसी ने है
पर क्या एक पौधा लगाकर देखा है कभी ?
अपनी जिन्दगी तो हर कोई जीता है
पर दूसरों की जिन्दगी को जीकर देखा है कभी ?

अपने बारे में तो हर कोई सोचता है
पर दूसरों के बारे में सोचकर देखा है कभी ?
दूसरों से उम्मीद तो हर कोई रखता है
पर अपने आप को दूसरों की उम्मीद बनाकर देखा है कभी ?
अगर कभी इसमें से कुछ ना किया
तो दोस्तों कभी ऐसा करके देखना कभी ।

कोशिश कर

Kirti Jangra
B.Com (3rd Year)
Roll No. 1230008025

कोशिश कर, हल निकलेगा।
आज नही तो, कल निकलेगा।
अर्जुन के तीर सा सधा,
मरूस्थल से भी जल निकलेगा।
मेहनत कर, पौधो को पानी दे,
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी बल निकलेगा।
जिन्दा रख, दिल में उम्मीदों को,
गरल के समन्दर से भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की,
जो है आज यमा यमा सा; चल निकलेगा।

कौन हूँ मैं

Komal
B.A (1st Year)
Roll No. 1230008300

कभी लगता है शोर हूँ मैं
कभी लगता है मौन हूँ मैं
ये समझ नही आ रहा आखिर
कौन हूँ मैं...

कभी लगता है मुस्कुराहट हूँ मैं
कभी लगता है घबराहट हूँ मैं
खुद को रोज तलाशूँ आखिर
कौन हूँ मैं...

कभी लगता है मंजिल को पाने की राह हूँ मैं
कभी लगता है आसमान को छुने की चाह हूँ मैं
जिंदगी के सफर में ये नहीं समझ आ रहा आखिर
कौन हूँ मैं...

कोशिश करने वालों की हार नही होती......

Monika
B.Com (3rd Year)
Roll No. 1230008035

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, बार बार फिसलती है,
मन का विश्वास रंगो में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है,
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जाकर खाली हाथ लौटकर आता है,
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में,
मुट्ठी उसकी खाली हर एक बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो,
क्या कभी रह गई, देखो और सुधार करो,
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संद्यर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम,
कुछ किये बिना ही जय जय कार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

सपनों में उड़ान भरो

Tanisha
B.Com (3rd Year)
Roll No. 1230008006

कुछ काम करो, न मन को निराश करो
पंख होंगे मजबूत, तुम सपनों में साहस भरो,
गिरोगे लेकिन फिर से उड़ान भरी, सपनों में उड़ान भरो।

तलाश करो मंजिल की, ना व्यर्थ जीवनदान करो,
जग में रहकर कुछ नाम करो, अभी शुरूआत करो,
सुयोग बीत न जाए कही, सपनों में उड़ान भरो।

समझो खुद को, लक्ष्य का ध्यान करो,
यूं ना बैठकर बीच राह मे, मंजिल का इंतजार करो,
संभालो खुद को यूं ना विश्राम करो, सपनों में उड़ान भरो।

उठो चलो आगे बढो, मन की आवाज सुनो,
खुद के सपने साकार करो, अपना भी कुछ नाम करो,
इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करो, सपनों में उड़ान भरो।

बहक जाएं गर कदम, तो गुरू का ध्यान करो,
तुम पा ना सको ऐसी कोई मजिंल नहीं, हार जीत का मत ख्याल करो,
अडिग रहकर लक्ष्य का रसपान करो, सपनों में उड़ान भरो।

चबूतरा के प्रकाशन हेतु

Kamal
B.A (1st Year)
Roll No. 1230008264

कदम ऐसा चलो,
कि निशान बन जाए।

काम ऐसा करो,
कि पहचान बन जाए।

यहाँ जिंदगी तो
सभी जी लेते हैं।

मगर जिंदगी जियो तो
ऐसी कि सबके लिए

'एक मिसाल' बन जाए।

माँ

Kiran
B.A (1st Year)
Roll No. 1230008433

उसकी हर दुआ कबूल है,
वो तो ममता का एक फूल है,
शायद तभी भगवान से भी ऊपर आती है माँ,
एक सच्चा दोस्त कहलाती है माँ,
मुझे न हो फुर्सत एक पल भी उसके लिए,
उसका हर पल हर लम्हा है तेरे लिए,
माँ सब जानती है.....

माँ का प्यार तो वो फूल है,
जो कभी भी मुरझाता नहीं हैं।

आजादी

Manisha
B.A (3rd Year)
Roll No. 1230178087

पंछी है कैद अगर
तो उड़ने में कर मदद तू।
रात है काली अगर
दिया जला कर रोशन कर तू।
बीत गए साल रूढ़िवादी विचारों में उलझकर
सुलझा मन के भाव तू।
औरत, आदमी या हो कोई बच्चा ,
सबके जीवन का कर कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी,
आगे बढ़ विजयी की राह पर
उन वीरों ने क्या पाया,
अगर तू अब भी डर में खोया।
उठ जा तू छू ले आसमान,
आजादी पे है हक सबका।

जिंदगी का सच

Tamnna
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178033

ये है जिंदगी का सच, जो चाहा कभी पाया नहीं।
जो पाया कभी सोचा नहीं, जो सोचा मिला नहीं।

जो मिला रास नहीं, जो खोया वो याद आता है
पर जो पाया संभाला जाता नहीं।

जिंदगी जीने के दो तरीके होते हैं।
पहलाः जो पसंद है उसे हासिल करना सीखो
दूसराः जो हासिल है उसे पसंद करना सीखो

जिंदगी बहुत कुछ सिखाती है
कभी हसांती है तो कभी रुलाती है

पर जो हर हाल में खुश रहते है
जिंदगी उनके आगे सिर झुकाती है।

जीवन का लक्ष्य

Diksha
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178199

वह जीवन भी क्या जीवन है
जिसमें आशा का नीर नहीं।
पथ पर आगे बढ़ना ही क्या।
जब लक्ष्य के लिए अधीर नहीं।

जीवन की कठिन परीक्षा में
आशा ही एक सफलता है
जीवन पथ पर आगे बढ़ना
वही तो जीवन की सुन्दरता है

स्वंय के लिए जिए तो क्या जिए
कभी और के लिए जीना सीखो।
पथिक के पथ प्रदर्शक बनकर,
सबको राह दिखाना सीखो।

द्वेष दम्भ और अप्रसन्नता
मन से दूर भगाओ दूर।
हृदय की प्रसन्नता ही जीवन है
इसका सार बनाओ तुम।

हिंदी साहित्य

Neha
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178429

हिंदी का हर शब्द अनमोल,
मन को छू ले जैसे फूलों का बोल।
कबीर की साखियाँ ज्ञान,
मीरा के पद में भक्ति का ज्ञान।

सूरदास की रचनाएँ प्रेम दिखाएँ,
तुलसी के छंद राम गुण गाएँ।
प्रेमचन्द की कहानियाँ जीवन बतातीं,
सच्चाई से आँख भिगो जातीं।

हिंदी साहित्य है सागर गहरा
ज्ञान, भक्ति और प्रेम का चेहरा।
शब्दों में इसकी शक्ति अपार,
हिंदी है हमारी पहचान का आधार।

नशा मुक्ति पर कविता

Khushboo
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178204

रोकनी होगी नशे की आदत,
सबको आगे है आना,
नशा है एक बहुत बुरी लत,
हमें नशा मुक्त भारत है बनाना।
हम सबका है यही सपना,
नशा मुक्त हो भारत अपना।
जीवन में अगर स्वस्थ है रहना,
तो नशे से हमें दुर है रहना,
अब हम सब ने यह है ठाना,
नशे को जड़ से है मिटाना।
देश को आगे है बढ़ाना,
नशे को है खत्म करना।

समय का महत्व

Tannu
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178041

समय कहता मैं तुम्हारे साथ हूँ
समय की चाल निरन्तर चलती है
यह पल में अनेक रुप बदलता
दुख दर्द और सुख का साथी बनता
रोज अपने नए रंग रुप दिखाता
सब इसकी मर्जी से चलता।
अपना हर पल का महत्व बताता
ये कभी रुकता नहीं थकता नहीं
बस निरंतर ही चलता जाता है
इसके महत्व को अगर समझोगे
जीवन में अपने लक्ष्य हासिल करोगे
सारे काम समय पर ही होते
चाहे हम कितने भी उत्सुक हो
होगा काम समय पर ही
इसलिए समय के महत्व को समझो
समय कहता है मैं तुम्हारे साथ हूँ।

शहीद

Priti
B.A (3rd Year)
Roll No. 1230178370

आँखो मे नमी आयी है,
आजादी न यूँ पायी है,
न जाने शहीद थे कितने,
कितने गुमनाम हो गये।

क्रांति की आग जो फैली
खेले वो खून की होली,
दी आहुति प्राणों की,
तब आजादी हमें मिल पायी है।

देश पर मरने की,
जो कसमें, वो खाये थे,
कतरा कतरा दे करके,
आन देश की बचायी है।

है ऋणी देश का वासी,
भावुक हो अत्रु झरते है,
न जाने कितनी माँओ न,
औलादें अपनी गँवाई है।

विद्यार्थी जीवन.................

Rinku
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178105

ठोकरें अपना काम करेगी
तू अपना काम करता चल
वो गिराएंगी बार–बार,
तू उठकर फिर से चलता चल,

हर वक्त एक ही रफ्तार से
दौड़ना कतई जरूरी नहीं तुम्हारा
मौसम की प्रतिकूलता हो
तो बेशक थोड़ा–सा ठहरता चल

अपने से भरोसा न हटे
बस ये ध्यान रहे तुम्हें सदा
नकारात्मक ख्याल दूर रहे तुझसे
उनसे थोड़ा संभलता चल

पसीने की पूंजी लूटाकर
दिन रात मंजिल की राह में दिल के ख्वाबों को
जमीनी हकीकत में बदलता चल

एक दिन में नहीं लगते,
किसी भी पेड़ पर फल, कभी भी
पड़ाव दर पड़ाव ही सही
अपनी मंजिल की और सरकता चल ।।

माँ

Kavita
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178177

देख मुझे मुस्कुराती है
अपना हर दर्द छुपाती है।
हाँ, वो मेरी माँ है
जो मेरे लिए हर किसी से लड़ जाती है।

कितना भी करूँ परेशान उन्हें
वो फिर भी प्यार जताती है मेरी हर
गलती को भूल जाती है हाँ, वो मेरी
माँ है जो मेरे लिए कुछ भी कर जाती है।

देखने को तो चाँद का टुकड़ा है
फिर भी वो मुझे अपना चाँद बताती है
मेरी माँ कसम से मुझे बहुत चाहती है
वो मेरे लिए कुछ भी कर जाती है।

हर जन्म मिलें यही माँ
मेरे दिल से ये दुआ निकल आती है
मेरी माँ मेरे बहुत लाड़–लड़ाती

सुभाषितानि

Anuj Nehra
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178050

1. सुखार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेत्विद्यां विद्यार्थी व त्यजेत् सुखम।।

→ (सुख चाहने वाले को विद्या कहां, विद्या चाहने वाले को सुख कहा)
(सुख चाहने वाला विद्या छोड़ दे, और विद्या चाहने वाला सुख छोड़ दे)

2. पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नम् सुभाषितं।
मूढेः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते।।

→ (पृथ्वी पर तीन रत्न है– जल, अन्न और शुभ
वाणी। परन्तु मूर्ख लोग पत्थर के टुकड़ों को
रत्न की संज्ञा देते ह।)

3. परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।।

→ (मृत्यु इस नश्वर संसार का नियम हैं, लेकिन जन्म
उसी का सार्थक है, जिससे कुल की उन्नति हो)

4. कर्मण्ये वाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचन।
मां कर्मफलहेतुर्भूः माते संड.गोस्त्वकर्मणि।।

→(आपको सिर्फ कर्म करने अधिकार है,
फल देने का अधिकार भगवान का है।
फल की इच्छा से काम न करें। और न ही
आपकी कर्म न करने की प्रवृत्ति होनी चाहिए)

5. येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मृर्त्यलोके भूवि भारभूता
मनुष्यरूपेण मृगाक्षरन्ति ।।

→(जिस मनुष्य के पास विद्या, तप, दान, ज्ञान, शील,
गुण और धर्म में से कुछ भी नहीं है वह
इस धरती पर भार के समान है और पशु
के समान जीवन व्यतीत करता है।)

6. सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे मद्राणी पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखा भाग भवेत्।।

→(सभी सुखी हों, सभी रोगमुक्त हो,
सभी मंगल के साक्षी बनें, किसी को भी दुःख न हों)

''हिन्दी-भाषा''

Deepika
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178087

हिंदी हैं भारत की शान,
हर दिल की यह पहचान।
माँ की ममता जैसी प्यारी;
सभी भाषाओं से न्यारी।

जन–जन की भाषा हिंदी;
हम सब की आशा हिंदी।
सादगी का इसमें वास,
बसे इसमें पूरा इतिहास ।

हम सबको इसे अपनाना हैं,
इसके मान को बढ़ाना हैं।
हिंदी से हैं देश महान,
हिंदी से भारत की जान।

हिंदी – हिन्दु – हिन्दुस्तान,
कहते है, सब सीना तान,
पल भरने लिये जरा सोचे इन्सान
सब पाते हैं, हम इसका कितना
ध्यान।।

''पिता का आखिरी सपना''

Aarti
B.A (3rd Year)
Roll No. 1230178204

रवि एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता था। अच्छा पैसा बढ़िया Lifestyle Branded कपड़े, AC ऑफिस और Weekend पार्टियां जिंदगी सेट लगती थी।

लेकिन उसके पिता प्यारेलाल जी गाँव में ही रहते थे। सीधे–सादे, पुराने ख्यालों के हर बार रवि से कहते ''बेटा, एक बार गाँव आ जा.. तुझसे मिलने को मन करता है.. '' रवि हर बार बहाना बना देता ''पापा, टाइम नहीं है... मीटिंग है... थोड़ा बीजी हूँ..'' वो नहीं आया।

पिता को शुगर, बीपी सब था लेकिन रवि को लगा ''चलो बाद में देख लेंगे''... एक दिन फोन आया....''पापा अब नहीं रहे...''

रवि भागा गाँव घर में चुप्पी... दीवार पिता की तस्वीर... और पास में एक पुराना लिफाफा... लिफाफे में था एक चिट्ठी जो शायद उन्होंने मरने से पहले लिखी थी। चिट्ठी में लिखा था; बेटा तुझसे मिलने का बहुत मन करता था... पर तू बड़ा हो गया है, अब तेरे पास वक्त नहीं होगा।

जब तेरा समय हो, तब मेरी कब्र पर आ जाना। तुझे देखने की ख्वाहिश वही पुरी कर लूंगा... रवि फूट–फूट कर रो पड़ा... जिस इंसान ने उसे सब कुछ बनाया, वो बस थोड़ा सा वक्त मांग रहा था... और वो भी न दे सका।

इस कहानी से हमें सीख मिलती है।

1. माता पिता हमेशा कुछ ''बड़ा'' नहीं माँगते वो सिर्फ हमारी मौजूदगी चाहते हैं।

2. काम, पैसा, तरक्की सब कुछ फिर से पाया जा सकता है परन्तु माता–पिता दोबारा नहीं मिलते।

''सपनों की उड़ान''

Aarti
B.A (3rd Year)
Roll No. 1230178204

अनिका एक छोटी सी बच्ची थी। उसे पढ़ने का बहुत शौक था, परन्तु उसके घर के हालात ऐसे नहीं थे कि पढाई कर सके। उसके माता–पिता बहुत गरीब थे। वे भी अनिका को पढ़ाना चाहते थे परंतु हालात सही नहीं थे।

एक दिन अनिका एक किताब की दुकान पर गई उसने वहां से एक किताब उठाई और दुकानदार से कहा, ''मेरे पास पैसे नहीं हैं, पर मुझे यह किताब चाहिए।'' दुकानदार ने अनिका से पूछा,'' क्या तुम्हें पढ़ने का शौक है? अनिका ने उत्तर दिया, ''हां'' तब दुकानदार ने मुस्कुराते हुए कहा, ''तुम यह किताब ले जाओ। तुम्हें किसी भी किताब आवश्यकता हो, तो तुम यहां आ सकती हो।'' अनिका को लिखने का शौक था और वह एक लेखका बनना चाहती थी। धीरे–धीरे अनिका ने अपनी पढाई शुरू की और बहुत बड़ी लेखिका बन गई ।

कुछ वर्षों बाद जब अनिका अपने गांव लौटी, तो वह उसी दुकान पर गई। परंतु वहां वही दुकानदार नहीं था। उसकी मृत्यु हो हो चुकी थी और दुकान पर कोई और व्यक्ति था। अनिका ने उस व्यक्ति पूछा, ''क्या दुकानदार अंकल नही रहे?''

वह व्यक्ति दुखी होकर बोला, ''हां, उनकी मृत्यु हो गई। लेकिन उन्होंने तुम्हारे लिए एक चिट्ठी छोड़ी थी। उन्होंने कहा, था कि जब तुम यहां आओगी तो यह चिट्ठी तुम्हे दे देना।'' अनिका ने चिट्ठी खोली। उसमें लिखा था, ''अनिका, मुझे पता है तुम बहुत बड़ी लेखक बन गई हो। लेकिन जब तुम्हें यह चिट्ठी मिलेगी'' शायद मैं इस दुनिया में न रहूँ। हमेशा खुश रहना और गरीब बच्चों की सहायता करना ताकि वे बड़े होकर तुम्हारी तरह बन सकें।''

चिट्ठी पढ़ने के बाद अनिका की आँखों में आंसू आ गए और उसने ठान लिया कि वह गरीब बच्चों की सहायता करेगी। इसके बाद अनिका ने बहुत से गरीब बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया।

इस कहानी से हमें महत्वपूर्ण शिक्षा मिलती हैं।

1 **शिक्षा का महत्व**

चाहे हालात कितने भी कठिन क्यों न हों, पढ़ाई और ज्ञान का महत्व सबसे ऊपर होता है। शिक्षा ही इंसान की जिन्दगी बदल सकती है।

2 **मदद करने की भावना**

एक छोटी सी मदद किसी की पूरी जिंदगी बदल सकती है।

इस कहानी की नैतिक शिक्षा है।

''सच्ची शिक्षा वही है जो न केवल हमें सफल बनाए, बल्कि हमें दूसरों को भी आगे बढ़ाने की प्रेरणा दे।''

'' मदद करने से ज्ञान बढ़ता है और दूसरों का जीवन बदल सकता हैं।''

नवोदय की बात

Parmila Goswami
B.Sc. (MH) Final Year

बहुत से किस्से सुने है तुमने,
आओ दोस्त ! तुम्हें नवोदय की बात सुनाते हैं।
सुबह PT से आकर सोना,
कहाँ फबता इनको नहाना धोना ।
ये तो इस पर भी शर्त लगाते हैं,
हफता तो छोटा है, महीने में एक बार नहाते हैं।
आओ दास्त्! ——————————————।

दलिये से लड़कियां नाक चढ़ाती हैं,
हलवा चना वो कहाँ खाती है।
लड़कों की क्या बात सुनाऊं, ये तो शौक से खाते हैं,
और तो और Reces Time के लिए भी बचाते हैं।
आओ दोस्त !————————————।

कक्षा के हम हीरो हैं, लेकिन पढ़ने में जीरो हैं।
पूरी कक्षा को सर पर उठा लेतें हैं, हम लास्ट बैंच पर बैठे हैं।
अध्यापक की डांट खाकर, वो फिर भी मुस्कुराते हैं।
आओ दोस्त !——————————————।

नूडल, पीज्जा, बर्गर ये सब चीजें कहां पचती है,
इनकी जान तो, राजमा, चावल में बसती है।
प्यार, मोहब्बत की तो तुम बात ही छोड़ो,
एक प्लेट में पाँच—पाँच इकट्ठे खाते है।
आओ दोस्त !——————————————।

यही सुहानी यादें दिल में रह जाएँगी,
नवोदय की बातें नवोदय में रह जाएँगी।
अगर सच पूछो मुझसे, तो
वन्दु, डाइनों, छोटी, लीली बहुत याद आते है।
आओ दोस्त! तुम्हें नवोदय की बात सुनाते है।।

किताबें करती हैं बातें

Sakshi
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178154

किताबें करती हैं बातें
बीते जमाने की,
दुनिया की इंसानो की
आज की, कल की
एक–एक पल की

खुशियों की गमों की
फूलों की, बमों की
जीत की, हार की
प्यार की, मार की

क्या तुम नहीं सुनोगे
इन किताबों की बाते?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास`रहना चाहती हैं।

किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं।

क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं

''चले चलो''

Monika
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178290

ना रुको कभी ना थमों कभी,
बस राहों पर अपनी चले चलो, चले चलो।

मुश्किलें आएंगी हजार, मानना ना कभी हार,
मंजिलों की ओर ए मुसाफिर, बढ़े चलो, चले चलो।

जिंदगी की कविता को समझो, अल्फाजों में न उलझो,
हर एक नज़्म को तबियत से पढ़े चलो, चले चलो।

तूफान से भरे समुंदर में, विकराल लहरों पे,
अपनी मन को कश्ती पर संभले चलो, चले चलो।

चट्टानों को पार करते हुए, सपनो पर धार करते हुए,
जीवन पर्वत शिखर पर चढ़े चलो, चले चलो।।।

क्या बेटी होना पाप है ?

Samiksha Nehra
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178089

क्या बेटी होना पाप है ???
सोने पे सुहागा ये बात है,
बिना माँ – बाप के जीवन जीना...
सबसे बडा अभिशाप है।
नारी अबला है कमजोर है,
इसे मानने वाले धरती पर,
खुद एक श्राप है,
इस जंग के गवाहों में,
लक्ष्मी बाई ने छोड़ी एक छाप है।

क्या बेटी होना पाप है???
वो हर संभव कोशिश करती है,
भाई का शौक पूरा हो, खुद के शौक मारती है,
माँ का दर्द अधूरा हो उसकी दोस्त बन जाती है।
एक परिवार को छोड़, वो दूसरे घर को पूरा करने जाती है।

क्या बेटी होना पाप है???
कुल आगे बढ़ाना है इनको बेटों से प्यार है,
बेटियों को कोख में मारने वाला,
सारा खूनी ये संसार है।

कुल के दीपक जलाने के लिए लौ कहा से लाएगा?
भ्रूण में ही हत्या करने वाला,
क्या चैन से सो पायेगा।
बेटी होना पाप नहीं एक सच्चा वरदान हैं।

प्रकृति

Naina Rani
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178238

हरे–भरे खेतो में,
बरस रही हैं बूंदे।
खुशी–खुशी से आया सावन,
भर–गया मेरा आँगन।।

ऐसा लग रहा हैं जैसे,
मन की कलियाँ खिल गई वैसे।
ऐसा कि आया बसंत
लेके फूलों का जश्न ।।

धूप से प्यासे मेरे मन को
बूँदो ने दी ऐसी अँगड़ाई
कूद पड़ा मेरा तन–मन
लगता है मैं हूँ एक दामन।।

यह संसार हैं कितना सुंदर
लेकिन लोग नहीं उतने अकलमंद
यहीं है एक निवेदन
न करो प्रकृति का शोषण ।।

जीवन का लक्ष्य

Monika
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178186

वह जीवन भी क्या जीवन है।
जिसमें आशा का नीर नहीं ।
पथ पर आगे बढ़ना ही क्या
जब लक्ष्य के लिए अधीर नहीं।

जीवन की कठिन परीक्षा में
आशा ही एक सफलता हैं।
जीवन की कठिन परीक्षा में
आशा ही एक सफलता हैं।

जीवन पथ पर आगे बढ़ना
यही तो जीवन की सुंदरता हैं।
स्वयं के लिए जीना सीखो ।
पथिक के पथ प्रदर्शक बनकर
सबको राह दिखाना सीखो ।

द्वेष दम्भ और अप्रसन्नता
मन से दूर भगाओ तुम।
प्रसन्नता ही जीवन है।
इसका सार बनाओ तुम ।

मंजिल

Aarti
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178403

सामने हो मंजिल तो रास्ता मत मोड़ना ।
जे भी मन में हो वह सपना मत मोड़ना।
कदम–कदम पर मिलेगी मुश्किलें, आपको
बस सितारे छूने के लिए जमीन मत छोड़ना
मुश्किल नहीं है कुछ दुनिया
तू जरा हिम्मत तो कर,
ख्वाब बदलेंगे हकीकत में
तू जरा कोशिश तो कर।

माँ

Manju
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178005

प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ।
चलना मुझे सिखती माँ,
मंजिल मुझे दिखाती माँ।
सबसे मीठा अनमोल है माँ,
दुनिया में अनमोल है माँ।
खाना मुझे खिलाती है माँ,
लोरी गाकर सुलाती माँ।
प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ।

युवा माँगे जवाब अब............

Manya
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178027

भर्ती निकले, तो इम्तहान नहीं
परीक्षा हो तो परिणाम नहीं
परिणाम निकले तो भर्ती नहीं
आखिर क्यों युवाओ का सम्मान नहीं?

बस करो, मजाक अब
युवा मांगे हिसाब अब
बात करो, संवाद करो
दो हमारे प्रश्नों का जवाब अब

क्यों हर भर्ती पंचवर्षीय योजना है।
किस नए भारत की ये परियोजना है?
कैसी ये परिक्षा प्रणाली है?
आपने युवाओं की छीन ली जवानी है।

क्यों पेपर में गलत सवाल डालते?
फिर 100-100 का व्यापार करते
Rank List का नहीं प्रावधान करते
Waiting List का नहीं समाधान करते
साहब, दो–चार हो तो बोलू...
अरे आप तो जुल्म हजार करते,

जागो सरकार जागो, बस यही कहना है
हमारी समस्याओं पर ध्यान,
1 वर्ष के भीतर पूरी प्रक्रिया हो
Re-add. नहीं, बस नौकरियाँ हो।

युवाओं से भी कुछ कहना है,
अब और नहीं सहना हैं..
बुलंद अपनी आवाज करो
आज कुछ ऐसी हुँकार भरो
आ जाए चाहे सैलाब अब
रुकना नहीं, झुकना नहीं
अपने हको का करना है हिसाब अब।

सबसे बड़ा बादशाह

Aakash Dev
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178036

धरती पर हर एक क्षेत्र एवं एक हिस्से पर किसी न किसी राजा ने शासन किया है। हर राजा द्वारा अनेकों युद्ध लड़े गए कुछ जीते, तो कुछ हार गए। दुनिया उन सभी जीतने वालों को बादशाह मानती है। जो इन्सान किसी भी विषय या काम में महारत हासिल करता है उसे बादशाह कहने लगते हैं।

लेकिन सबसे बड़ा बादशाह कौन है? ये सवाल हमेशा उठता है और सबसे बड़ा बादशाह है–'वक्त'। वक्त खुद कहता है कि ''मैं कल वापिस नहीं आऊँगा ना ही किसी का इंतजार करूंगा। जीना है तो इस पल को जीले क्योंकि मैं रोक नहीं पाऊँगा।''

जिस किसी ने वक्त की अहमीयत को समझा है और जिसने वक्त रहते खुद को संभाला है, वही दुनिया में सम्मान एवं सुख का जीवन जी पाया है। चाहे कोई विद्यार्थी हो या कर्मचारी जिसने वक्त की कदर की हैं, उसी को मंजिल मिली है।

अंत में एक ही बात कहुँगा– ''अगर आप वक्त को पास करोगे, तो वक्त आपको फेल कर देगा।''

सभ्य समाज

Ritu Devi
B.A (1st Year)
Roll No. 1250178135

1. समय पुराना था।
लोगों के पास तन ढकने को कपड़े न थे, फिर भी लोग तन ढकने का प्रयास करते थे।
आज कपड़ों के भंडार है, फिर भी तन दिखाने का प्रयास करते हैं।
समाज सभ्य जो हो गया है..............

2. समय पुराना था।
लोगों के पास आवागमन के साधन कम थे, फिर भी लोग परिजनों से मिला करते थे।
आज आवागमन के साधनों की भरमार है फिर भी लोग न मिलने के बहाने बनाते हैं।
समाज सभ्य जो हो गया है..............

3. समय पुराना था।
घर की बेटी, पूरे गाँव की बेटी होती थी। आज की बेटी पड़ोसी से असुरक्षित है।
समाज सभ्य जो हो गया है..............

4. समय पुराना था।
लोग नगर – मोहल्ले के बुजुर्गों का हालचाल पूछते थे, आज माँ–बाप तक को वृद्धाश्रम में डाल देते हैं ।
समाज सभ्य जो हो गया है.............

5. समय पुराना था।
खिलौनों की कमी थी फिर भी मोहल्ले भर के बच्चों के साथ खेला करते थे आज खिलौनों की भरमार है पर फिर भी बच्चें मोबाइल की जकड़ में बंद है।
समाज सभ्य जो हो गया है..............

6. समय पुराना था।
गली–मोहल्ले के पशुओं तक को रोटी दी जाती थी, आज पड़ोसी का बच्चा ही भूखा सो रहा है।
समाज सभ्य जो हो गया है..............

7. समय पुराना था।
नगर – मोहल्ले में आए अपरिचित का भी पूरा परिचय पूछ लेते थे, आज तो पड़ोसी के घर आए अतिथि का नाम भी नहीं पूछते।
समाज सभ्य जो हो गया है..............

मैं स्त्री हूँ, स्त्री की जीवन साया मैं लड़की हूँ

Mannu
B.A (3rd Year)
Roll No. 1230178079

मैं स्त्री हूँ, मैं नारी हूँ मैं कली हूँ
मैं फुलवाडी हूँ मैं दर्शन हूँ
मैं दर्पण हूँ मैं नाद हूँ मैं ही गर्जन हूँ
मैं बेटी हूँ, मैं माता हूँ
मैं बलिदानों की गाथा हूँ
मैं श्रीमद्भगवद्गीता हूँ
मैं द्रौपदी हूँ मैं सीता हूँ

पुरुषों की इस दुनिया ने
मुझे कैसी नियति दिखलाई
कभी जुऐं में हार गये
कभी अग्नि परीक्षा दिलवाई
कलयुग हो या सतयुग हो
इल्जाम मुझी पर आता है
क्यों धनी अंधेरी सड़कों पर
चलने से मन घबराता है
मैं डरती हूँ मैं मरती हूँ
जब सफर अकेले करती हूँ

डर का साम्राज्य बढ़ता है
कोई साया पीछा करता है
मेरी मुठठी बन जाती है।
दिल की धड़कन बढ़ जाती है
है तरल पसीना माथे पर
दिल में मेरे घबराहट है
जाने ये किसका साया है
जाने ये किसकी आहट है
अंधेरे में उन हाथों ने
मुझको बाहों में भीच लिया
एक ने मुहं पर हाथ रखा
और एक ने आँचल खींच लिया।

नारी के सम्मान को मिलकर
तार–तार सो कर डाला
और मर्यादा के आँचल को
फिर जार–जार सो कर डाला
मारा है मुझको पिटा है
बालों से मुझे घसीटा है

फिर बर्बरता की उन सारी
सीमाओं को तोड़ दिया
उन अंधेरी सड़को पर
फिर मुझे तड़पताः छोड़ दिया
सन्नाटे में चीख रही थी खून से लथपथ वो
काया सबने तस्वीरें खींची कोई मदद
को आगे न आया कोई मदद करो
ये चीख चीख कर चीख भी
मुझसे रूठ गयी जब होश में आयी
इस समाज की बातें सुनकर टूट गई।

परिवार को बदनामी होगी
सब यही मुझे समझाते हैं
यह नयी उम्र के लड़के हैं
थोड़ा तो बहक ही जाते है।
अरे भूल जाओ जो हुआ उसे
ये लड़के बच ही जायेंगे
तुम लड़की हो दुनिया वाले
तुम पर ही प्रश्न उठाएंगे

क्यों कोई नहीं था साथ में
क्यूं निकली अकेली रात में
क्या मेकअप था
क्या गहने थे
क्या छोटे कपड़े पहने थे
प्रश्नों के भुलभुलईया में
सच्चाई कहाँ खो जाती हैं
सब भूल जाओ कहने वालों

क्या तुम्हें शर्म नहीं आती है
कैसे भूलु उन रातों को,
उन सारी तकलीफों को
कैसे भूलु उन चीखों को
मेरे शरीर की चोट तो
बसू कुछ दिन में ही भर जाएगी
लेकिन मन की पीड़ा सारी
उम्र साथ रह जाएगी
सब भूल जाओ
कहने वालों

याद रखो ये आखरी गलती
आपकी भी हो सकती है
कल सड़क पर बेसुध बहन या बेटी,
आपकी भी हो सकती है
और इस एहसास से बढ़कर
काई दर्द नहीं हो सकता है
जो नारी का अपमान करे
वो मर्द नहीं हो सकता है
जब सजा मौत की लागू होगी

सारे दोषी लड़कों पर
फिर कोई लड़की नहीं मिलगी
खून से लथपथ सड़कों पर
तो आओ प्रण लो मेरे साथ
और यह आवाहन करो
अपनी मर्यादाओं को समझो
नारी का सम्मान करो,
नारी का सम्मान करो।

महाविद्यालय पत्रिका ''चबूतरा'' स्वामित्व आदि का विवरण

फार्म नं० 4

नियम - 4

1.	प्रकाशन	:	रोहतक
2.	प्रकाशन अवधि	:	वार्षिक
3.	मुद्रक का नाम	:	अम्बा प्रिंटर्स
	राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	पता	:	गली जाट गजट, रोहतक
4.	प्रकाशक	:	डॉ. सत्य प्रकाश सोलंकी
	राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	पता	:	प्राचार्या-राजकीय महाविद्यालय, महम
5.	सम्पादिका	:	श्रीमती पिंकी रानी
	राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	पता	:	राजकीय महाविद्यालय, महम
6.	स्वामित्व	:	प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, महम

मैं डॉ० सत्य प्रकाश सोलंकी घोषणा करता है कि उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी के अनुसार ठीक व सही है।

डॉ. सत्य प्रकाश सोलंकी
प्रकाशक-चबूतरा